

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • कावेरी नदी पर ब्रिज तैयार, कॉरिडोर में बनने वाला यह 11वां रिवर ब्रिज है



पुल की प्रमुख विशेषताएं

- पुल की लंबाई: 120 मीटर
- स्पान: 3 फुल स्पान गर्डर्स (प्रत्येक 40 मीटर) से मिलकर बना है।
- पिलर्स की ऊंचाई: 13 से 21 मीटर
- 4 मीटर व्यास का 1 और 5 मीटर व्यास के 3 गोलाकार पिलर्स हैं
- यह पुल वापी और बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच में है। इन दो स्टेशनों के बीच में कोलक, पार और औरंगा नदी पर भी पुल का निर्माण पूरा किया जा चुका है
- यह नदी अंबिका नदी की ट्रीब्यूटरी में से एक है, जो महाराष्ट्र राज्य के साथ गुजरात राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में वंसदा तालुका की पहाड़ियों से निकलती है
- कावेरी नदी, वापी बुलेट ट्रेन स्टेशन से 46 किमी और बिलिमोरा बस्टेशन से 4 किमी की दूरी पर है।

सुरत। अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के लिए कावेरी नदी पर पुल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। नवसारी जिले में कावेरी नदी पर बना यह 20 नदी पुलों में से 11वां पुल है। इससे पहले पार (वलसाड), पूर्णा (नवसारी), मिंधोला (नवसारी), अंबिका (नवसारी), औरंगा (वलसाड), वेंगानिया (नवसारी), मोहर (खेड़ा), धाधर (वडोदरा), कोलक (वलसाड) और खेड़ा की वात्रक नदी पर पुलों का निर्माण किया जा चुका है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • कावेरी नदी पर ब्रिज तैयार, कॉरिडोर में बनने वाला यह 11वां रिवर ब्रिज है



पुल की प्रमुख विशेषताएं

- पुल की लंबाई: 120 मीटर
- स्पान: 3 फुल स्पान गर्डर्स (प्रत्येक 40 मीटर) से मिलकर बना है।
- पिलर्स की ऊंचाई: 13 से 21 मीटर
- 4 मीटर व्यास का 1 और 5 मीटर व्यास के 3 गोलाकार पिलर्स हैं
- यह पुल वापी और बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच में है। इन दो स्टेशनों के बीच में कोलक, पार और औरंगा नदी पर भी पुल का निर्माण पूरा किया जा चुका है
- यह नदी अंबिका नदी की ट्रीब्यूटरी में से एक है, जो महाराष्ट्र राज्य के साथ गुजरात राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में वंसदा तालुका की पहाड़ियों से निकलती है
- कावेरी नदी, वापी बुलेट ट्रेन स्टेशन से 46 किमी और बिलिमोरा बस्टेशन से 4 किमी की दूरी पर है।

सूरत| अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के लिए कावेरी नदी पर पुल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। नवसारी जिले में कावेरी नदी पर बना यह 20 नदी पुलों में से 11वां पुल है। इससे पहले पार (वलसाड), पूर्णा (नवसारी), मिंधोला (नवसारी), अंबिका (नवसारी), औरंगा (वलसाड), वेंगानिया (नवसारी), मोहर (खेड़ा), धाधर (वडोदरा), कोलक (वलसाड) और खेड़ा की वात्रक नदी पर पुलों का निर्माण किया जा चुका है।